

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज करेंगे अधिकार अभिलेख पत्र का वितरण

जिले के 5841 लोगों को मिलेगा भूमि का
मालिकाना हक, कलेक्टर ने जिला
ऑडिटोरियम में तैयारियों का लिया जाया।

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी स्वामित्व योजना अंतर्गत अधिकार अभिलेख पत्र का वितरण शनिवार को चुंचुआल माध्यम से करेंगे। योजना के तहत जिले के 5841 लोगों को भूमि का मालिकाना हक मिलेगा। कार्यक्रम का आगामी प्रसारण एलईडी टीवी के माध्यम से होगा। जिला ऑडिटोरियम में शनिवार को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले के प्रभारी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्वामी बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के तौर पर शमिल होंगे। कलेक्टर श्री दीपक सोनी



झोंग से सर्वे कराया गया है तथा सर्वे एवं स्वत्यापन के आधार पर राज्यक विभाग द्वारा अधिकार अभिलेख पत्र तैयार किया गया है औब तक 45 गांव के 5841लोगों के अधिकार अभिलेख तैयार किये गये हैं। इसमें तहसील कसड़ाल अंतर्गत 4 ग्राम के 657, तहसील दुंडुरा के 2 ग्राम के 284, पलारी के 9ग्राम के 813, बलौदाबाजार के 3 ग्राम के 379, लवन के 4 ग्राम के 310, सुहेला के 9 ग्राम के 1715, सिमापा के 11 ग्राम के 155, भाटपारा के 3ग्राम के 165 लोगों को अधिकार अभिलेख पत्र का वितरण किया जाएगा। गौरेंद्र जग्गी के लिए स्वामित्व योजना को जिला स्तरीय वितरण करना चाहिए। जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की आवादी वाली भूमि का रिकार्ड तैयार करना है। कि स्वामित्व योजना को जिला स्तरीय वितरण करना चाहिए। उसके तहत भूमि स्वामियों को उनकी जमीन का मालिकाना अधिकार दिया जाता है।

कार्यालय, जोन क्रमांक-10, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

तृतीय, चतुर्थ, एवं पंचम निविदा आवंत्रण सूचना

क्रमांक 71/न.पा.नि./जोन-10/24-25

मैनुअल पढ़दि निविदा आवंत्रित की जाती है

01. निविदा प्रपत्र देते आवेदन तिथि

02. निविदा प्राप्त करने की तिथि

03. निविदा जमा करने की तिथि

04. निविदा खोलने की तिथि

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का नाम	आगामित राशि (लाख में)	अमावस्या राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य का	ठेकेदार की श्रेणी	प्रपत्र एवं एस. ओ. आर. का विवरण	समयावधि
01	सरोने दुग्धविती वार्ड-50 अंतर्गत दीपक कालोनी में विवेक किराना स्टार्स के पास समाधारिक भवन निर्माण कार्य। (पार्वत निवि) (चतुर्थ)	5.00	5000/-	750/-	डी एवं उससे ऊपर	प्रपत्र "अ" पौड़ब्ल्यूडी भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस ओ आर	04 माह
02	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड-52 अंतर्गत गांगा विहार गार्डन निर्माण हेतु पेटर कार्य। (पार्वत निवि) (पंचम)	1.25	2000/-	300/-	डी एवं उससे ऊपर	प्रपत्र "अ" पौड़ब्ल्यूडी भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस ओ आर	01 माह
03	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड-52 अंतर्गत बापू की कुटिया में कांस्ट्रक्ट कार्य। (पार्वत निवि) (पंचम)	0.50	1000/-	300/-	डी एवं उससे ऊपर	प्रपत्र "अ" पौड़ब्ल्यूडी भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस ओ आर	01 माह
04	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड-52 अंतर्गत नदी चैक में रसगंध चंपमत कार्य। (संधारण मद) (तृतीय)	1.50	2000/-	300/-	डी एवं उससे ऊपर	प्रपत्र "अ" पौड़ब्ल्यूडी भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस ओ आर	02 माह

- नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन, रायपुर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत तथा कार्य के अनुभवी ठेकेदारों से नीति लिपाता पढ़ावा दिया जाता है।
- लिपाता (अ) में अमावस्या राशि का एफ.डी. आर. व चतुर्थ पत्र एवं चाही गई समस्त दस्तावेज।
- 3 लिपाता (ब) में निविदा प्रपत्र भरकर सीलिंग करना होगा।
- (अ) एवं (ब) एक अच्युत तीसरे लिपाता (स) में भरकर ही स्पीड पोस्ट के द्वारा प्राप्त किया जावेगा।
5. संप्रत्रम लिपाता (स) खोलने के पश्चात लिपाता (अ) खोला जावेगा जिसमें अमावस्या राशि का एफ.डी. आर. एवं अन्य चाही गई दस्तावेज होने पर ही निविदा प्रपत्र की लिपाता (ब) खोली जावेगी तथा लिपाता में अ.ब.स अंकित होगा अनिवार्य है।
6. निविदा जमा करने के पश्चात खोली जावेगी। तो बाह कार्यालयीन दिवस में 7. स्वप्रम रसगंध चंपमत कार्यालय अवधिकारी अप्रतुष रसगंध चंपमत में आवादी वाली राशि का एफ.डी. आर. एवं अन्य चाही गई दस्तावेज करना होगा।
8. तीन वर्ष के अवधार की वाच्यता नए फार्डों के लिए वाच्यकारी होनी होगी।
9. किसी भी निविदा को स्वीकृत अवधार कार्यालय अवधिकारी अप्रतुष रसगंध चंपमत में आवादी जमा की जाएगी।
10. निविदा संभवी अर्थ शर्ते एवं जाकारियों कार्यालय अवधिकारी अप्रतुष रसगंध चंपमत में आवादी जमा की जाएगी।
11. ठेकेदार को From A में दिये गए सभी शर्तें के अनुसार कार्य कर्यालय की वाच्यता होनी होती है।

घरों से निकलने वाले सुधा और गीला क्षेत्रों को सफाई (वाहन) को दें।

रायपुर, दिनांक 16.01.2025

रायपुर, दिनांक 16.01.2025

रायपुर, दिनांक 11-01-2025

रायपुर, दिन

भटगांव तहसीलदार ने बच्चों के साथ मनाया अपना जन्मदिन दिया न्योता भोज

सूरजपुर ब्लूरो (दैनिक विश्व परिवार) काइलांबक भटगांव में बच्चों को स्वादिस्ट और पोस्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए शासन की योजना के अनुरूप अपने जन्मदिन के अवसर पर तहसीलदार शिव नारायण राठिया ने पी एम श्री विद्यालय भटगांव के बच्चों को न्योता भोज दिया और अपने सहयोगियों एवं बच्चों के साथ भोजन भी किया।

उल्लेखनीय है कि शासन की योजना है कि काई भी व्यक्ति अपने खास दिन को खास बनाने के लिए किसी भी सरकारी विद्यालय के बच्चों को न्योता भोज दे सकता है, जिससे बच्चों को पोस्टिक और स्वादिस्ट भोजन मिल सके। इसी कड़ी में आज अपने जन्मदिन के अवसर पर



भटगांव तहसीलदार शिवनारायण राठिया ने उपस्थित अतिथियों ने पी एम श्री विद्यालय के बच्चों के साथ स्वादिस्ट भोजन का आनंद लिया तथा इस आयोजन की

सराहना किये।

न्योता भोज के अवसर पर विद्यालयों के शिक्षकों और बच्चों ने भटगांव तहसीलदार तथा अन्य अतिथियों को गर्म जोशी के साथ स्वागत किया और केक कटवाया। इस अवसर पर बच्चों ने रंगोंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। न्योता भोज में नगर पंचायत भटगांव सीएमओ राजेश कुशवाहा अध्यक्ष सूरज कुमार गुप्ता, व्योवृद्ध पत्रकार अमरोज खान, बीजेपी प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजाचाहौ, बीजेपी भटगांव मंडल अध्यक्ष रमेश गुप्ता, पी एम विद्यालय की प्रधान पाठक वौशलाला देवी, सिक्षिका तनुजा एका, गायत्री मिश्रा, विजय गुप्ता, हरकरेश जायसवाल, पत्रकार पप्पू मिश्रा, पटवारी

संजीव पटेल, राजीव लोचन, विवेक पटेल एवं समस्त तहसील कर्मचारी उपस्थित थे। और सभी ने बच्चों संग स्वादिस्ट भोजन का लुपत उठाया और कार्यक्रम को साराहना किये।

पी एम श्री विद्यालय की हेड मास्टर श्रीमती कौशल्या ने भटगांव तहसीलदार का एवम अन्य अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुवे न्योता भोज के बारे में बताते हुए सभी अतिथियों से आग्रह किया कि अपना और अपने प्रिय खास लोगों का जन्मदिन या अन्य उत्सव सरकारी विद्यालय के बच्चों के साथ मनाएं तथा उहौं न्योता भोज करके उहौं खास होने का एहसास दिलाए। उहौंने पुनः सभी का आभार व्यक्त की।

साइबर क्राइम से बचने नुकङ्ग नाटक के जरिए लोगों को किया अवेयर

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने बताया प्रॉड से कैसे बचे



बचाव के लिए सूरजपुर पुलिस लगातार विभिन्न माध्यमों से एआईपीओओ को जागरूक करने में लगा हुई है। इस कैम्पेन का मुख्य उद्देश्य लोगों को साइबर प्रॉड से बचाना है। साइबर ट्रा तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर लोगों को अपने जांसें में लेकर साइबर प्रॉड करते हैं। लोगों को नुकङ्ग नाटक के माध्यम से साइबर क्राइम कैसे होता है उसके बारे में जानकारी दी गई, साथ ही बचाओं के उपाय भी बताए। उहौंने

कहा कि पुलिस और बैंकों के साथ मिलकर साइबर प्रॉड रोकने और इन्वेस्टिगेशन करने में आसान होगी। इसलिए इसके प्रति लोगों को जागरूक करने यह आयोजन किया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस एवं अधिकारी संस्थानों का संयोग महत्व, एम्बीआई सूरजपुर के शाश्वात् प्रबंधक पियुस विजयराय व व कलेक्टर ब्रांच के शाश्वात् प्रबंधक चांदनी सिंह, पुलिस व प्रशासन के अधिकारी-कमंडारी व चौतरफ़ विकास होगा। इसके लिए हम सभी को कौंधा से कौंधा मिलाकर एकजुटा का

अध्यक्ष एवं 15 पार्षदों का जीत करे सुनिश्चित - भूलन सिंह मरावी

नगरीय निकाय को लेकर विधायक ने ली भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक

सूरजपुर ब्लूरो (दैनिक विश्व परिवार)- प्रेम नगर विधायक सभा क्षेत्र के विधायक भूलन सिंह मरावी के विश्रामपुर की सरकारी शिशु मंदिर में नगर पंचायत विश्रामपुर के कार्यकर्ताओं की बैठक ली और विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का चयन प्रदेश भाजपा के साथ सम्झौता करेंगे। इनकी विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में विश्व के सर्वान्मान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश में तेजस्वी मुख्यमंत्री विष्णु कृष्णमाण जी के विश्रामपुर के साथ एआईपीओओ को जानकारी लड़ा है वह अपना नाम दे सकते हैं। न



संपादकीय

बांग्लादेश में फिर टकराव की आशंका

एक दूसरे पर हमले करने के लिए ये गुट शेख हसीना को मुद्दा बना रहे हैं। इस माहौल से फिर टकराव की आशंकाएं गहरा रही हैं। लोगों में भी मायूसी है। धारणा बनने लगी है कि अगस्त में हुआ दलाल व्यर्थ जा रहा है। बांग्लादेश में जिन सियासी ताकतों ने कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ अंदोलन में जबरदस्त कृता दिखाई थी, अब उनके बीच टकराव तीखा हो रहा है। नए नाव कराने के सवाल पर अंतरिम सरकार के रुख ने अन्य समूहों अंदेशा पैदा किया है कि बीते अगस्त में फौरी तौर पर देश की मान संभालने आए शासकों को सत्ता का स्वाद लग गया है। अब चुनाव नहीं कराना चाहते। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार हम्मद युनुस और सरकार में शामिल पूर्व छात्र नेताओं के कुछ बयानों के बाद बांग्लादेश नेशलनिस्ट पार्टी (बी-एपनी) सहित अन्य न अंतरिम शासकों के खिलाफ खुल कर बोलने लगे हैं। इन बयानों संदेश था कि चुनाव कराना अंतरिम सरकार की प्राथमिकता नहीं तब से आरोप लगाए गए हैं कि अंतरिम सरकार जानबूझ कर नाव में देर कर रही है। संदेश जताया गया है कि हसीना को सत्ता बाहर करने के बाद मोहम्मद युनुस और उनके छात्र समर्थक एनपी को भी रास्ते से हटाना चाहते हैं। हसीना के देश से जाने के द उनकी पार्टी अवामी लीग के नेताओं के खिलाफ हत्या समेत लग-अलग आरोपों में मामले दर्ज होने का सिलसिला शुरू हुआ। उधर प्रमुख विपक्षी पार्टी बीएनपी की अध्यक्ष ख़ालिदा जिया के लालई कई मामलों में सजा रद्द की गई। जमात-ए-इस्लामी के भी ई नेता और कार्यकर्ता जेल से रिहा हुए। तब लग रहा था कि ग्लादेश की अंतरिम सरकार, बीएनपी, जमात और अंदोलनकारी ग्रन्ट्र नेता एक जुट हैं। लेकिन अब सूत बदल गई है। एक दूसरे पर लगे करने के लिए ये गुट शेख हसीना को मुद्दा बना रहे हैं। एक दूसरे पर इल्जाम लगाए गए हैं कि वे हसीना के प्रति नरम रुख अपना हैं। बीएनपी ने कहा है कि अंतरिम सरकार और जमात भारत के अपने रिश्ते अच्छे करने के लिए हसीना को माफ कर देना चाहते हैं। इसके बाद जमात-ए-इस्लामी पार्टी ने बीएनपी पर कड़ा हमला किया। इस माहौल से देश में फिर टकराव की आशंकाएं गहरा रही हैं। लोगों में भी मायूसी है। ये धारणा बनने लगी है कि अगस्त में आ बदलाव व्यर्थ जा रहा है।

આલોચના

पांच दिवसीय भारत दौरे पर सिंगापुर, राष्ट्रपति शनमुगरत्नम्



कमल नैन नारंग

सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरनम का गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने औपचारिक स्वागत किया। सिंगापुर के राष्ट्रपति के रूप में उनकी यह पहली यात्रा है जो दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। पत्रकारों से बात करते हुए सिंगापुर के राष्ट्रपति ने कहा पने औपचारिक स्वागत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सिंगापुर के राष्ट्रपति ने कहा, हम कभी नहीं भूलेंगे कि भारत 1965 में सिंगापुर की स्वतंत्रता को मान्यता देने वाले पहले कुछ देशों में से एक था और तब से हमारे संबंध तेजी से बढ़े हैं। छोटे देश सिंगापुर और बड़े देश भारत के बीच यह स्वाभाविक साझेदारी है, लेकिन हम अपने आपसी हितों में सहयोग करने के तरीके खोजते हैं। भारत में सबसे बड़ा निवेशक सिंगापुर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सिंगापुर भारत में सबसे बड़ा निवेशक है और दोनों देशों के बीच रक्षा संबंध भी मजबूत हैं, जो आज भी बढ़ते रहेंगे। उन्होंने कहा, हम अब भारत के साथ अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में उत्तम करने के साथ एक नए पथ पर हैं, जिसकी धोषणा पिछले साल सिंतंबर में प्रधानमंत्री मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान की गई थी। हम अपने मौजूदा सक्रिय संबंधों से परे नई पहलों की खोज कर रहे हैं। हम उत्तम विनिर्माण और सेमीकंडक्टर, नई पीढ़ी और नेट जीरो औद्योगिक पार्कों के साथ-साथ शामिल नए उद्योगों के कौशल पर सहयोग करने पर काम कर रहे हैं। दोनों देश डिजिटलीकरण और स्थिरता के क्षेत्र में मिलकर कर रहे काम सिंगापुर के राष्ट्रपति शनमुगरनम ने कहा कि भारतीय और सिंगापुर के बीच एक-दूसरे की बात समझते हैं और उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश डिजिटलीकरण और स्थिरता के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सिंगापुर भारत की विकसित देश बनने की महत्वाकांक्षा इस विकसित भारत 2047 में निवेश कर रहा है। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन मंगलवार शाम को नई दिल्ली पहुंचे और बुधवार को उच्च स्तरीय चर्चा में शामिल हुए। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सेमीकंडक्टर, औद्योगिक पार्क, कौशल, डिजिटलीकरण और व्यापार विकास सहित द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रपति से मुलाकात की। बैठक के बाद डॉ. जयशंकर ने एक्स पर कहा, आज सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरनम से मुलाकात करके बहुत खुशी दुई। सेमीकंडक्टर, औद्योगिक पार्क, कौशल विकास, डिजिटलीकरण और व्यापार विकास में हमारे सहयोग पर चर्चा की। मुझे विश्वास है कि उनकी राजकीय यात्रा हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति प्रदान करेगी।

प्रह्लाद सबनानी

गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मध्यमवर्गीय परिवारों की प्रमुख भूमिका रहती है। देश में ही निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों की मांग इन्हीं परिवारों के माध्यम से निर्मित होती है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवार जब मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल होते हैं तो उन्हें नया स्कूटर, नया फ्रिज, नया एयर कंडीशनर, नया टीवी एवं इसी प्रकार के कई नए पदार्थों (उत्पादों) की आवश्यकता महसूस होती है। साथ ही, नए मकानों की मांग भी मध्यमवर्गीय परिवारों के बीच से ही निर्मित होती है। इसीलिए यह कहा जाता है कि जिस देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेजी से बढ़ती है उस देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता है। भारत में भी हाल ही के वर्षों में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। परंतु, मुद्रा स्फीति, कर का बोझ एवं इन परिवारों की आय में वृद्धि दर में आ रही कमी के चलते इन परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिससे कई कम्पनियों का यह आंकलन सामने आया है कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की मांग में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विशेष रूप से उपभोक्ता वस्तुओं (स्लूट्यूह रूथ 1 द्वारा इष्ट्रूट्यूह द्वारा त्रशस्त्र - स्लूष्ट्र) के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली कम्पनियों का इस संदर्भ में आंकलन बेहद चौंकाने वाला है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री एवं लाभप्रदता में भी कमी दिखाई दी है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध



गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मध्यमवर्गीय परिवारों की प्रमुख भूमिका रहती है। देश में ही निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों की मांग इन्हीं परिवारों के मध्यम से निर्मित होती है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवार जब मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल होते हैं

कराया जा रहा है। किसानों के खातों में सहायता 15 में 47.15 करोड़ के स्तर पर थी। वर्ष 2024 से

वर्ष 2014 के बीच, 10 वर्षों में रोजगार में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी अर्थात् इस दौरान

विवरण द्वारा साड़ी का लदना बोलता है, साड़ी का बोलता है। आदि माध्यम से महिलाओं के खातों में सीधे ही

राशि जमा की जा रही है। इसके साथ ही इन परिवारों सकों थी, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के बीच 17-19 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सजित हो जाएंगी।

लगभग 6 गुना से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। पिछले केवल एक वर्ष अर्थात् वित्तीय वर्ष 2023-24 के बीच ही देश में लगभग 4.6 करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। कृषि क्षेत्र में वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच कृषि के क्षेत्र में रोजगार में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इसी प्रकार विनिर्माण के क्षेत्र में भी वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में केवल 6 प्रतिशत दर्ज हुई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच विनिर्माण के क्षेत्र में रोजगार में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। सेवा के क्षेत्र में तो और भी अधिक तेज वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच सेवा के क्षेत्र में रोजगार 25 प्रतिशत की दर से बढ़ा था, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस सबका असर बेरोजगारी की दर में कमी के रूप में देखने में आया है। देश में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 6 प्रतिशत से वर्ष 2023-24 में घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। इसका सीधा असर कामकाजी आबादी अनुपात पर भी पड़ा है जो वर्ष 2017-18 के 46.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 58.2 प्रतिशत पर पहुंच गया है। सबसे अच्छी स्थिति तो संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे नागरिकों की संख्या में वृद्धि से बनी है। क्योंकि संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं को नियोक्ताओं द्वारा कई प्रकार की अतिरिक्त सुविधाएं कंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी नियमों के अंतर्गत प्रदान की जाती है। संगठित क्षेत्र में शामिल होने वाले युवाओं (18 से 28 वर्ष के बीच की आयु के) की संख्या में सितम्बर 2017 से सितम्बर 2024 के बीच 4.7 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई है, ये युवा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से भी जुड़े हैं। यदि किसी देश में मुद्रा स्पैशि की दर लगातार लम्बे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहे एवं नागरिकों की आय में वृद्धि दर मुद्रा स्पैशि में हो रही वृद्धि दर से कम रहे तो इसका सीधा असर मध्यमवर्गीय परिवार के बचत एवं खर्च करने की क्षमता पर पड़ता है। यदि मध्यमवर्गीय परिवार के खर्च करने की क्षमता कम होगी तो निश्चित ही बाजार में विभिन्न उत्पादों की मांग भी कम होगी इससे विभिन्न कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री भी कम होगी। यह स्थिति हाल ही के समय में भारत की अर्थव्यवस्था में दृष्टिशोर है। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट से यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि कंद्र सरकार द्वारा इस प्रकार के प्रयास किए जाएंगे जिससे मुद्रा स्पैशि की दर देश में कम बनी रहे एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में वृद्धि हो। साथ ही, मध्यमवर्गीय परिवारों की आय पर लगाए जाने वाले आय कर में भी कमी की जानी चाहिए।

एक और खतरनाक वायरस एचएमपीवी की दस्तक

यागश कुमार गायल

वर्ष 2020 में चानन से शुरू हाकर कारोना न पूरा दुनिया में जो दहशत मचाई, उसे याद करके आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कोरोना महामारी के भयावह दौर में दुनिया भर में लाखों लोग मारे गए, लाखों परिवार उजड़ गए, अनेक बच्चे अनाथ हो गए। अभी तक कोरोना का खौफ बरकरार है, और कोरोना की शुरूआत के 5 साल बाद अब चीन से ही एक और ऐसे ही खतरनाक वायरस की दस्तक की खबरें दुनिया के सामने आ रही हैं, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह वायरस कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। भारत में कर्नाटक, गुजरात और पश्चिम बंगाल में कुछ बच्चों में नये वायरस के मामले मिल चुके हैं, जिसके बाद भारत में सरकरता बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि यह वायरस बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहा है। कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में यह संक्रमण निमोनिया में परिवर्तित हो जाता है, और उनमें मौत का जोखिम बढ़ जाता है। हाल के दिनों में कई रिपोर्टे में बताया जा चुका है कि हूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) नामक वायरस ने इन दिनों चीन में दहशत फैला रखी है। इस खतरनाक वायरस के कारण बड़ी संख्या में मरीज मर रहे हैं, लेकिन कोविड की ही भाँति चीन द्वारा इसे लेकर भी लीपापोती की जा रही है। हालांकि कछ रिपोर्टे में दावा किया जा रहा है कि इस नहा हुई है। बताया जा रहा है कि उत्तर चान के प्रान्त में 14 वर्ष से कम उम्र के लोगों में एचएमपीवी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। खचाखच भरे अस्पताल और श्मशानों में बेतहाशा भीड़ इस संकट के कोरोना जैसा या उससे भी बदतर होने की पुष्टि कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर %सार्स-सीओवी-2 (कोविड-19)' नामक एक्स हैंडल द्वारा पोस्ट में लिखा गया है कि चीन एचएमपीवी, इन्फ्लूएंजा ए, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड-19 सहित कई वायरस के मामलों में उड़ाल का सामना कर रहा है, और वहां के अस्पताल निमोनिया और %व्हाइट लंग' के मामलों से खासे परेशान हैं। एचएमपीवी वायरस का प्रकोप भी सबसे पहले चीन में ही शुरू हुआ है। दरअसल, बर्ड फ्लू से लेकर सार्स और कोविड तक सभी महासंहारक वायरल प्रकोपों की उत्पत्ति चीन से ही होती रही है। चूंकि सभी वायरस चीन में ही पैदा होते रहे हैं, इसलिए ऐसे वायरस हमलों को लेकर दुनिया में चीन को लेकर संदेह का माहौल बना हुआ है कि कहाँ कोविड-19 के बाद खतरनाक होता एचएमपीवी भी चीन की जैविक प्रयोगशालाओं में रची जा रही साजिश तो नहीं है। हालांकि डच शोधकर्ताओं ने 2001 में सबसे पहले सन संबंधी बीमारियों से पीड़ित बच्चों में इस वायरस की खोज की थी और हर साल कई देशों में इसके कछ मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन

चान म जैस तरह इस वायरस न आतक मचाय हुआ है, ऐसे में भारत ने भी सतर्कता बढ़ा दी है राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र स्थिति पर नजर रखे हुए हैं तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में हैं। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल का कहना है कि बताया गया है कि चीन में मेटान्यूमोवायरस वायरस का एक आउटब्रेक है, जो गंभीर है हालांकि उनका कहना है कि हमें नहीं लगता कि भारत में किसी गंभीर स्थिति की आशंका है। दिल्ली मेडिकल कार्डिसिल के चेयरमैन एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण गुप्ता का कहना है कि भारत में इस वायरस के कारण बीमारी बढ़ने की अर्ध आशंका नहीं है। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अनुसार, एचएमपीवी सभी उम्र के लोगों में अपर और लोअर रेस्पिरेटरी डिजीज के कारण बन सकता है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने-छोंकने से निकलने वाले स्वयं या नजदीकी संपर्क जैसे हाथ मिलाने से भी यह वायरस फैलता है एचएमपीवी वायरस न्यूमोवायराइड और मेटान्यूमोवायरस जीनस का हिस्सा है, जो सिंगल-स्ट्रैंड नेगेटिव-सेंस आरएनए वायरस है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेशन के अनुसार, इस वायरस का संक्रमणकाल तीन से पांच दिन होता है इसके संक्रमण से रोग-प्रतिरोधी क्षमता कमजोर होती है। एचएमपीवी कोरोना की ही भाँति सन पथ को संक्रमित करता है, हालांकि कोरोना के मकाबले इसके कारण ऊपरी और निचले दोनों सन

पथ म सक्रमण का खतरा हा सकता ह। विशेषज्ञों के मुताबिक यह कम पहचाना वायरस है, लेकिन दुनिया भर में मौसमी सन बीमारियों में योगदान कर रहा है। एचएमपीवी वायरस का प्रकोप भी सबसे पहले चीन में ही शुरू हुआ है। दरअसल, बर्ड फ्लू से लेकर सार्स और कोविड तक सभी महासंहारक वायरल प्रकोपों की उत्पत्ति चीन से ही होती रही है। चूंकि सभी वायरस चीन में ही पैदा होते रहे हैं, इसलिए ऐसे वायरस हमलों को लेकर दुनिया में चीन को लेकर संदेह का माहौल बना हुआ है कि कहीं कोविड-19 के बाद खतरनाक होता एचएमपीवी भी चीन की जैविक प्रयोगशालाओं में रची जा रही साजिश तो नहीं है। हालांकि डच शोधकर्ताओं ने 2001 में सबसे पहले सन संबंधी बीमारियों से पीड़ित बच्चों में इस वायरस की खोज की थी और हर साल कई देशों में इसके कुछ मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन चीन में जिस तरह इस वायरस ने आतंक मचाया हुआ है, ऐसे में भारत ने भी सरकरता बढ़ा दी है। एचएमपीवी में कोरोना ही भाँति फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं। सामान्य लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना, गले में खराश और सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं। इससे बचाव के उपायों में हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोना, खांसते और छिंकते समय मुंह और नाक ढंकना, संक्रमितों से दूरी बनाना, स्वस्थ आहार और पर्यास नींद लेना, फ्लू के टीके लगवाना इत्यादि शामिल हैं।

भीषण आग से अमेरिका ही नहीं, दुनिया सबक ले

लिलित गर्गी

दुनिया को सुरक्षा एवं विकास का आशासन देने वाला देश आज खुद अपनी सुरक्षा नहीं कर पा रहा है। वहां के आधुनिक तकनीक से लेस दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूँजी को स्वाहा होते देख रहे हैं। अमेरिका के लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फेलने, भारी तबाही, महाविनाश और भारी जन-धन की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशिक्षि भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। न केवल अमेरिका के इतिहास में बल्कि दुनिया के इतिहास यह जंगल की आग सबसे भयावह, सव्विधिक विनाशकारी एवं डरावनी साबित हुई है। आग धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। बल्कि और तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका कारण 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएँ हैं। ये हवाएँ इस आग को और भड़का रही हैं, तबाही का मंजर बन रही है, जिसे रोकना अमेरिका प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गया है। अमेरिकी सेना के सी-130 विमान और प्रभायर हेलीकॉप्टर हर संभव कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हवा की गति और आग की

लपटों की ताकत के आगे दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के तमाम प्रयास नाकामी एवं बेबस साबित हो रहे हैं। अनियंत्रित विकास, पर्यावरण की धोर उपेक्षा एवं भौतिकतावादी सौच इस आग का बड़ा कारण है। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों, सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब 24 लोगों के मरे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर-बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। अमेरिका संस्कृतिविहीन देश बनता जा रहा है- यह राष्ट्र भौतिक विकास, पर्यावरण उपेक्षा एवं शस्त्र संस्कृति पर सवार है। वहां के नागरिक अपने पास जितने चाहें, उतने भौतिक संसाधन रख सकते हैं। सुविधावादी जीवनशैली के शिखर एवं तमाम सुरक्षा परिस्थितियों में जीने के बावजूद यह देश आज कितना असहाय एवं बेबस है। विकास की बोली बोलने वाला, विकास की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में आधुनिकता, तकनीक एवं विकास की आंधी लाने वाला अमेरिका जब खुद ऐसी भीषण आग की तबाही का शिकार होने लगा तो उसकी नींद टृटी है, उसे अपनी असलियत का पता

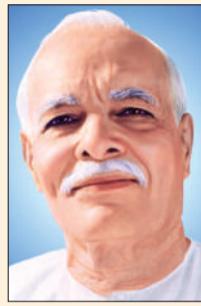


लगा। दुनिया को सुरक्षा एवं विकास का आश्वासन देने वाला देश आज खुद अपनी रक्षा नहीं कर पा रहा है। वहां के आधुनिक तकनीक से लेस दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूँजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तरल्ख होते मौसम से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए धरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पाँच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने वाले खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर जैसे बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर, जेमी ट्रॉप कर्टिंस और पेरिस हिल्टन शामिल हैं एवं व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जखमी हो गयी कि विश्व जैसा सुरक्षा-कवच मनुष्य-मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे ? कहना कठिन है। अमेरिका की विकास वाली होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जो से लौटना मुश्किल हो गया है। ईश्वर व बनायी संरचना में दखल का ही परिणाम कि प्रकृति इतना रौद्र एवं विध्वंसक रूप

धारण किया है। अमेरिका आज दुनिया में प्रकृति के दोहन, अपराध का सबसे बड़ा अड्डा है और हिंसा की जो संस्कृति उसने दुनिया में फैलाई, आज वह स्वयं उसका शिकार है। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साक्षित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल-फिलहाल बारिश होने की सभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व यानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरातफरी से जगह-जगह ट्रैकिं जाम लग रहे हैं। यानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। घोर अव्यवस्था एवं कुप्रशासन फेला है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी, जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सूखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़-पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चलता है। हकीकत है कि जंगलों में 95 प्रैसदी आग इसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगाने की आशंका बनी रहती है।

संक्षिप्त समाचार

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 55वीं पुण्यतिथि आज



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रजापिता ब्रह्माकुर्लारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सदस्य 18 जनवरी को अपने संस्थापक पिता श्री प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 55 वीं पुण्यतिथि को विश्व शान्ति दिवस के रूप में मनाएंगे। विश्व के पांचों महाद्वीपों में 137 देशों में फैले अपने 8500 (साढ़े आठ हजार) से भी अधिक सेवाकर्ताओं में इस अलौकिक संस्थान के दस लाख सदस्य कल सारा दिन आन्त्र चिन्तन में बिताएंगे तथा राजयोग के अभ्यास के द्वारा समग्र विश्व में शान्ति के प्रकारण फैलायेंगे। यह कार्यक्रम पूरे विश्व में एक साथ और एक ही समय पर आयोजित किए जाएंगे।

राजधानी में द्वाराजिल सभा का आयोजन सभासभा रोड दिशा सानिसरोवर और चौबे कालोनी सहित सभी पन्द्रह सेवाकर्ताओं में किया जाएगा। कल प्रातः काल से ही प्रार्थना सभाओं का दौर प्रारम्भ हो जाएगा। इसके पश्चात ब्रह्माबाबा को द्वाराजिल अर्पित की जाएगी एवं परमात्मा को भोग स्वीकार कराया जाएगा। संस्था के मुख्यालय माडण आबू में भी व्यापक स्तर पर द्वाराजिल सभा का आयोजन होगा जो रहा है जिसमें भाग लेने के लिए विश्व देशों से पच्चीस हजार लोग मार्गित आबू में पहुँचे हैं। ब्रह्माकुर्लारी संस्थान द्वारा जारी विज्ञिके अनुसार 18 जनवरी 1969 को पिता श्री ब्रह्माकुर्लारी ने सम्पूर्ण अवस्था को प्राप्त कर पार्थिव देह का कलेक्ट त्याग था। इसलिए यह दिवस समग्र मानव जाति के लिए दिव्यता सम्पन्न जीवन बनाने का संदेश लिए जाता है।

जिला परिषद एवं जिला कार्यकारिणी की विशेष बैठक का आयोजन



रायपुर (विश्व परिवार)। भारत स्काउट एवं गाइड्स जिला संघ-दुर्ग, के तत्वाधान में आज दिनांक 15 जनवरी 2025 को जिला परिषद एवं जिला कार्यकारिणी की विशेष बैठक का आयोजन राज्य उपायक्ष श्रीमती सुनीता बोहरा, जिला आयुक्त श्री अरविंद मिश्रा जी, जिला आयुक्त श्री जीत यादव जी, जिला अव्यक्त श्री अमोक देशमुख जी, लिंक अधिकारी तारीकी अंगीली जी, एवं आजीवन सदस्य श्री संजय बोहरा जी, के मार्दानशन में आयोजित की गई, जिसमें पूर्व में आयोजित बैठक के समस्त मुद्दों पर चर्चा रहे हुए उन्हें अनवरत जारी रखने का प्रसारण परित किया गया। 75 वीं वर्षगांठ तमिलनाडु जबूरी में जाने वाले प्रयोक्ते प्रतिभागी को जिला संघ से 3000 रुपये दिया जायेगा। जिले में विंग वाईस प्रशिक्षण कीट की आवश्यकता पर जार। फरवरी 2025 में प्राप्त करने गोल्डन एरो अवार्ड कब बुलबुल एवं प्रभारी का सम्पादन भारोह का आयोजन। स्काउट गाइड भवन के निर्माण पर चर्चा साथ ही सभी विद्यालयों में यूनिट चलाने एवं सभी विंग में शिक्षकों को प्रशिक्षित करने एवं प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों की जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

सरकारी राजस्व और कर संग्रह को सरल बनाना आर्थिक स्थिरता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम : जो फ्रांसिस

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। हम, आईआईटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधन नियंत्रक जो फ्रांसिस और गार्डियन डेंकोर्टिक फॉरम के अध्यक्ष फ्रांसिस जोसेफ (सनी) के साथ जेबिन जेरोम (इस सम्पूर्ण आर्थिक फार्मों के आविष्कारक) ने भारत सरकार के साथ एक ऐतिहासिक आर्थिक और वित्तीय मांडल को लागू करने की दिशा में एक बढ़ावा देने की सुव्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के साथ-साथ नागरिकों के लिए एक अर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना चाहता है। इस मांडल का लक्ष्य अस्थिरता का कारण बनने वाले अर्थिक चक्रों की पुनरुत्थानी को रोकना। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना। शृंखला गैर-नियादित परिस्थितियाँ (एनपीए)। आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देना। बैंक असंतोष वित्तीय

नए दिल्ली (विश्व परिवार)। नए दिल्ली के लिए वित्तीय सुरक्षा हेतु ग्रामीण कस्टमाइज्ड अंटोडो बैंकिंग शुरू की जाएगी, जो किसानों और अन्य क्षेत्रों के वित्तीय हिंसकों की रक्षा करेगी, जिससे उन्हें डिक्टिंट और वित्तीय सुरक्षा की सुविधा मिल सकेगी। इस मांडल का आधार विस्तारित किफायती सीमाओं का सिद्धांत है, जो कृत्रिम रूप से प्रभावित बाजार परिदृश्यों के अध्ययन से व्युत्पन्न है। यह दर्शाता है कि योजनाबद्ध और अनुमति क्रोडिंग विस्तार किस प्रकार आर्थिक मूल सिद्धांतों के बदल सकता है, और यह एक ऐसा गणितीय ढांचा तैयार करता है जो वित्तीय अस्थिरता को रोकता है।

नए दिल्ली (विश्व परिवार)। नए दिल्ली के लिए वित्तीय सुरक्षा हेतु ग्रामीण कस्टमाइज्ड अंटोडो बैंकिंग शुरू की जाएगी, जो किसानों और अन्य क्षेत्रों के वित्तीय हिंसकों की रक्षा करेगी, जिससे उन्हें डिक्टिंट और वित्तीय सुरक्षा की सुविधा मिल सकेगी। इस मांडल का आधार विस्तारित किफायती सीमाओं का सिद्धांत है, जो कृत्रिम रूप से प्रभावित बाजार परिदृश्यों के अध्ययन से व्युत्पन्न है। यह दर्शाता है कि योजनाबद्ध और अनुमति क्रोडिंग विस्तार किस प्रकार आर्थिक मूल सिद्धांतों के बदल सकता है, और यह एक ऐसा गणितीय ढांचा तैयार करता है जो वित्तीय अस्थिरता को रोकता है।

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। नए दिल्ली के लिए वित्तीय सुरक्षा हेतु ग्रामीण कस्टमाइज्ड अंटोडो बैंकिंग शुरू की जाएगी, जो किसानों और अन्य क्षेत्रों के वित्तीय हिंसकों की रक्षा करेगी, जिससे उन्हें डिक्टिंट और वित्तीय सुरक्षा की सुविधा मिल सकेगी। इस मांडल का आधार विस्तारित किफायती सीमाओं का सिद्धांत है, जो कृत्रिम रूप से प्रभावित बाजार परिदृश्यों के अध्ययन से व्युत्पन्न है। यह दर्शाता है कि योजनाबद्ध और अनुमति क्रोडिंग विस्तार किस प्रकार आर्थिक मूल सिद्धांतों के बदल सकता है, और यह एक ऐसा गणितीय ढांचा तैयार करता है जो वित्तीय अस्थिरता को रोकता है।

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। नए दिल्ली के लिए वित्तीय सुरक्षा हेतु ग्रामीण कस्टमाइज्ड अंटोडो बैंकिंग शुरू की जाएगी, जो किसानों और अन्य क्षेत्रों के वित्तीय हिंसकों की रक्षा करेगी, जिससे उन्हें डिक्टिंट और वित्तीय सुरक्षा की सुविधा मिल सकेगी। इस मांडल का आधार विस्तारित किफायती सीमाओं का सिद्धांत है, जो कृत्रिम रूप से प्रभावित बाजार परिदृश्यों के अध्ययन से व्युत्पन्न है। यह दर्शाता है कि योजनाबद्ध और अनुमति क्रोडिंग विस्तार किस प्रकार आर्थिक मूल सिद्धांतों के बदल सकता है, और यह एक ऐसा गणितीय ढांचा तैयार करता है जो वित्तीय अस्थिरता को रोकता है।

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। नए दिल्ली के लिए वित्तीय सुरक्षा हेतु ग्रामीण कस्टमाइज्ड अंटोडो बैंकिंग शुरू की जाएगी, जो किसानों और अन्य क्षेत्रों के वित्तीय हिंसकों की रक्षा करेगी, जिससे उन्हें डिक्टिंट और वित्तीय सुरक्षा की सुविधा मिल सकेगी। इस मांडल का आधार विस्तारित किफायती सीमाओं का सिद्धांत है, जो कृत्रिम रूप से प्रभावित बाजार परिदृश्यों के अध्ययन से व्युत्पन्न है। यह दर्शाता है कि योजनाबद्ध और अनुमति क्रोडिंग विस्तार किस प्रकार आर्थिक मूल सिद्धांतों के बदल सकता है, और यह एक ऐसा गणितीय ढांचा तैयार करता है जो वित्तीय अस्थिरता को रोकता है।

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। नए दिल्ली के लिए वित्तीय सुरक्षा हेतु ग्रामीण कस्टमाइज्ड अंटोडो बैंकिंग शुरू की जाएगी, जो किसानों और अन्य क्षेत्रों के वित्तीय हिंसकों की रक्षा करेगी, जिससे उन्हें डिक्टिंट और वित्तीय सुरक्षा की सुविधा मिल सकेगी। इस मांडल का आधार विस्तारित किफायती सीमाओं का सिद्धांत है, जो कृत्रिम रूप से प्रभावित बाजार परिदृश्यों के अध्ययन से व्युत्पन्न है। यह दर्शाता है कि योजनाबद्ध और अनुमति क्रोडिंग विस्तार किस प्रकार आर्थिक मूल सिद्धांतों के बदल सकता है, और यह एक ऐसा गणितीय ढांचा तैयार करता है जो वित्तीय अस्थिरता को रोकता है।

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। नए दिल्ली के लिए वित्तीय सुरक्षा हेतु ग्रामीण कस्टमाइज्ड अंटोडो बैंकिंग शुरू की जाएगी, जो किसानों और अन्य क्षेत्रों के वित्तीय हिंसकों की रक्षा करेगी, जिससे उन्हें डिक्टिंट और वित्तीय सुरक्षा की सुविधा मिल सकेगी। इस मांडल का आधार विस्तारित किफायती सीमाओं का सिद्धांत है, जो कृत्रिम रूप से प्रभावित बाजार परिदृश्यों के अध्ययन से व्युत्पन्न है। यह दर्शाता है कि योजनाबद्ध और अनुमति क्रोडिंग विस्तार किस प्रकार आर्थिक मूल सिद्धांतों के बदल सकता है, और यह एक ऐसा गणितीय ढांचा तैयार करता है जो वित्तीय अस्थिरता को रोकता है।

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। नए दिल्ली के लिए वित्तीय सुरक्षा हेतु ग्रामीण कस्टमाइज्ड अंटोडो बैंकिंग शुरू की जाएगी, जो किसानों और अन्य क्षेत्रों के वित्तीय हिंसकों की रक्षा करेगी, जिससे उन्हें डिक्टिंट और वित्तीय सुरक्षा की सुविधा मिल सकेगी। इस मांडल का आधार विस्तारित किफायती सीमाओं का सिद्धांत है, जो कृत्रिम रूप से प्रभावित बाजार परिदृश्यों के अध्ययन से व्युत्पन्न है। यह दर्शाता है कि योजनाबद्ध और अनुमति क्रोडिंग विस्तार किस प्रकार आर्थिक मूल सिद्धांतों के बदल सकता है, और यह एक ऐसा गणितीय ढांचा तैयार करता है जो वित्तीय अस्थिरता को रोकता है।

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। नए दिल्ली के लिए वित्तीय सुरक्षा हेतु ग्रामीण कस्टमाइज्ड अंटोडो बैंकिंग शुरू की ज

